मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं सतीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 26/02/2016 दिन–शुक्रवार को समय 12.00 बजे स्थान–मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी के उद्योग परिसर पर तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर में सम्पन्न लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ई. आई. ए. अधिसूचना 14.09.2006 के अंतर्गत् **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं सतीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र की स्थापना** के लिए भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में लोक सुनवाई हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा जन सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि 26/02/2016 दिन–शुक्रवार को समय 12.00 बजे **स्थान–मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी के उद्योग परिसर पर तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर** (छ.ग.) में श्री क्यू. ए. खान, अपर कलेक्टर/ अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर की अध्यक्षता एवं श्री बी. एस. ठाकुर, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर की सहभागिता में लोक सुनवाई निर्धारित समय में प्रारंभ की गई।

अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय, जन प्रतिनिधियों तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए जन सुनवाई के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए लोक सुनवाई के संबंध में छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही से जनसामान्य को अवगत कराया गया एवं तत्पश्चात् उनके द्वारा लोक सुनवाई प्रारंभ करने की विधिवत घोषणा की गई। साथ ही यह व्यवस्था दी गई कि लोक सुनवाई में सभी इच्छुक वक्ताओं को अपनी राय, सुझाव, विचार तथा आपत्तियां रखने के लिए पूरा–पूरा अवसर दिया जावेगा तथा सभी वक्ताओं के बोलने के पश्चात् ही लोक सुनवाई की कार्यवाही समाप्त की जावेगी। साथ ही यह भी समझाईश दी गई कि जब वक्ता अपना वक्तव्य दे रहे हो तो उस समय कोई अन्य

व्यक्ति व्यवधान न डाले व कोई टीका–टिप्पणी न करें, तथा शांति व्यवस्था बनाई रखी जाये। यह भी बताया गया कि जो कोई व्यक्ति लिखित में अपना विचार, सुझाव, सहमति व आपत्ति आदि देना चाहे तो वे दे सकते हैं। ऐसे लिखित में प्राप्त सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां की अभिस्वीकृति छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, के क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दी जायेगी तथा उसे अभिलेख में लाया जायेगा।

इसके पश्चात् अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर द्वारा **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड** के अधिकृत प्रतिनिधि को प्रस्तावित संयंत्र की स्थापना के संबंध में सामान्य जानकारी के साथ पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में किये गये आंकलन की जानकारी से उपस्थित जनसामान्य को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया ।

मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड द्वारा ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं सतीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र के उद्योग प्रतिनिधि श्री केशव खेमका द्वारा प्रस्तावित संयंत्र **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड** के संबंध में जनसामान्य को संयंत्र एवं पर्यावरणीय आंकलन के संबंध में जानकारी दी गई। तत्पश्चात् अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर द्वारा **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड द्वारा ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं सतीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र की** स्थापना के संबंध में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। जन सुनवाई में आसपास के ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय जन सुनवाई में एक–एक कर अपना सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां रखे। जन सामान्य द्वारा निम्नानुसार सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां दर्ज कराई गई :–

1. **श्री समय लाल जांगड़े, ग्राम–उड़गन :–**
गांव में पर्यावरण संतुलित रहेगा, कंपनी के द्वारा आधुनिक संयंत्र लगाये गये हैं, जिसमें पर्यावरण ठीक रहे, हम चाहते हैं कि प्रबंधन ग्रामीणों को रोजगार दे।

2. **श्री लखन लाल निषाद, ग्राम–उड़गन :–**
नोवा आयरन स्टील का क्षमता विस्तार का समर्थन करता हूँ। ग्रामीण बेरोजगारों को रोजगार दे।

3. **श्री ज्वाला प्रसाद भरतद्वाज ग्राम–दगौरी:–**
हमारे गांव में जो भी संयंत्र लगे हैं उसका सुरक्षा हो रहा है पानी टैंकर के माध्यम से ग्राम के बस्ती एवं सड़क में जल छिड़काव किया जा रहा है। गांव में किसी प्रकार की समस्या या परेशानी होती है तो उद्योग प्रबंधन द्वारा मदद किया जाता है आज तक कोई परेशानी नहीं है।

4. **श्री नील कुमार :–**
नोवा कंपनी से मेरा समर्थन है वह अपना काम चालू करें।

5. **श्री प्रेम कुमार गेंदले, ग्राम–उड़गन :–**
नोवा कंपनी के द्वारा क्षमता विस्तार के लिए जो लोक सुनवाई हो रहा है उसमें मैं अपना पूर्ण समर्थन देता हूं। साथ ही मैं नोवा कंपनी से आग्रह करता हूँ कि हमारे क्षेत्रीय छत्तीसगढ़िया लोगों को ये कंपनी के द्वारा योग्यता के आधार पर नौकरी दिया जाये। साथ ही यहां पर एक इंस्टीट्यूट खोला जाये, जिसमें 10 व 12 वीं के जो छात्र हैं उनको ट्रेनिंग दिया जाये और कंपनी में उनको लिया जाये।

6. **श्री सूरज मनहर, ग्राम–खुरेली:–**
मैं एक शिक्षित बेरोजगार हूं, हमारे इस क्षेत्र में प्लांट खुला हुआ है और बंद है, मैं चाहता हूं कि इस प्लांट खोला जाये और आगे विकास होगा हमारे क्षेत्र का, यहां के बेरोजगार युवा भाई हैं को रोजगार दिया जाये । मैं नोवा प्लांट का समर्थन करता हुँ।

7. **श्री राधेश्याम साहू, ग्राम–दगौरी:–**

प्लांट लगभग 1990–91 से यहां चल रहा था, बीच में 3–4 साल के लिए यह बंद हो गया था। उस समय हमारे आसपास के गांव में बेरोजगारी का माहौल सा बन गया था उसी के चलते हमारे गांव के, अंचल के हमारे गरीब किसान बंधु पलायन को ईंट भट्ठा जाने के लिए मजबूर होते थे, इस प्लांट को पुनः प्रारंभ किया गया, तो हमारे आसपास दगोरी, अमेरी अकबरी के लगभग 10 आश्रित ग्रामों में निश्चित ही बेरोजगारी कम हुई है और जैसे ही इस प्लांट का विस्तार होगा, तो हम प्रबंधन से अनुरोध करते हैं कि जो हमारे छत्तीसगढ़ के निवासी हैं उनको भी काम मिले। वर्तमान में लगभग 80 से 85 प्रतिशत मजदूर हैं वे हमारे छत्तीसगढ़ के स्थानीय लोग हैं। इतना कहकर समर्थन देता हूं प्लांट को आगे बढ़ने के लिए ।

8. **श्रीमती सरला स्वर्णकार, बिलासपुर:–**

नोवा आयरन का जो भी कार्य यहां पर खुला है वह बहुत अच्छी और खुशी की बात है कि यह बहुत प्रोग्रेस में है। ताकि जितने भी पढ़े लिखे, बेरोजगार बच्चे हैं जिनको नौकरी के लिए भटकना पड़ता है वो बहुत कुछ कम हो जायेगा। जितने लोग बेरोजगार हैं उनको भी अवसर मिलेगा, ताकि वे बच्चे कुछ कर सके।

9. **श्रीमती उत्तराबाई टंडन, सरपंच, ग्राम पंचायत उड़गन:–**

मैं प्लांट सहमति देती हूं।

10. **श्री हर्ष प्रसाद मान्डले, ग्राम–बरतोरी :–**

नोवा प्लांट कई वर्षों से इस क्षेत्र में खुला है और आगे भी चलता रहेगा। इस कंपनी के यहां खुलने कई शिक्षित बेरोजगार जो कि हमारे आसपास के लगभग 20 कि.मी. क्षेत्र में युवा पीढ़ी है उनके लिए यह बहुत सुनहरा अवसर है और निश्चित ही इस कंपनी के आगे बढ़ने से मैं यह आशा करता हूं कि बहुत ज्यादा संख्या में बेरोजगारी

कम जरूर होगी और 260 मेगावॉट का यह प्लांट बहुत ही अच्छा है हमारे युवा पीढ़ी के लिए और आसपास के क्षेत्र के लिए और मैं इससे सहमत हूं।

11. **श्री सुरजीत सिंह, ग्राम अमेरी–अकबरी:–**
नोवा आयरन के विस्तार में मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

12. **श्री कौशल प्रसाद लहरे, ग्राम–उड़गन:–**
यह कंपनी जो बन रहा है उसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। साथ ही मैं यह मांग करता हूं कि उजड़े हुए गांव के पम्प हैं उसमें टुल्लूपम्प लगवा दे गांव में।

13. **श्री ज्वाला प्रसाद सन्नाड, ग्राम–दगौरी:–**
आज नोवा में जन सुनवाई के कार्यकम रखा गया है ये अच्छा बात है जब से नोवा खुला है तब से गांव के कृषक है जिनके बच्चे खेती नहीं करना चाहते है वे गांव में कंपनी के अंदर जरूर रोजगार प्राप्त कर रहे है। केवल दगोरी नहीं आसपास के अंचल के लोगों को भी राहत प्राप्त हो रहा है। केन्द्र सरकार की जो रेट था, जमीन खरीदी में उसमें तिगुना चौगुना रेट में कपनी द्वारा दगोरी की जमीन को खरीदा गया। इससे भी हमारे ग्रामवासी एवं अंचल के लोगों को बहुत ज्यादा लाभ मिला। इस कंपनी के विस्तार के लिए मैं सहमत हूं। किसी भी प्रकार का काई आपत्ति नहीं है। यह कंपनी अपना विस्तार से काम फैलाये और बेरोजगारों को रोजगार मिले।

14. **रूपाली पाठक, बिलासपुर :–**
छत्तीसगढ़ में जो बहुत बेरोजगारी थी, यहां के लोग जो बाहर जाकर काम करते है, वहां उतनी आय उनको नहीं मिलती है। बाहर जाके तो यहां के लिए बहुत अच्छा है कि नोवा फैक्ट्री यहां लग रही हैं उनके लिए बहुत अच्छा है कि आय अर्निंग जो आगे के लिए वह कर सकेंगे वह भी अपने परिवार के साथ रहकर और दूर नहीं जाना पड़ेगा परिवार से, यहां रहकर अच्छे से भरण पोषण करेंगे। यह भी मैं आशा करती हूं कि जैस–जैसे यह फैक्ट्री आगे बढ़ेगी और उसका आय बढ़ेगा तो जैसे बिलासपुर में बिग बाजार है वैसे ही यहां भी बहुत बड़ा सा मॉल और बिग बाजार होना चाहिए,

जिसमें यहां की औरते और बच्चे सब जाकर इंज्वॉय कर सके। मेरी यही शुभकामना है आप सभी के साथ।

15. **श्रीमती कौशल्या सिंह, बिलासपुर :–**

यहां के लोग काम करने के लिए बाहर जाते है अधिकतर लोग पूना जाते हैं। यहां खेती नहीं होता है इसलिए लोग बाहर जाते हैं। ये जो प्लांट खुल रहा है तो यहां के लोगों के लिए बहुत अच्छा है।

16. **श्रीमति ज्योति सोनी, बिलासपुर :–**

यह कंपनी जब से खुली है तब से आश्रित गांव उनकी हर संभव मदद करती है। यहा पर विस्तार जो है पर्यावरण प्रदूषण को भी ध्यान में रखकर किया जाता है। अच्छी बात यह है कि यहां के जो अनपढ़ लोग उन लोगों को रोजगार मिलती है जो कम पढ़े–लिखे है उनको भी रोजगार दी जाती है। आजकल तो इतना प्रतिस्पर्धा बढ़ गया है कि बिना पढ़े और पढ़कर भी लोगों को रोजकार पाना नामुमकिन हो गया है। नोवा आयरन की इस योगदान से हमारे गांव के लोगों को अच्छी रोजगार मिल रही है, जिससे वे अपने परिवार के साथ रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इसलिए हम इस कंपनी को समर्थन देते हैं।

17. **श्रीमति संतोषी भास्कर, ग्राम–दगोरी :–**

मैं चाहती हूं प्लांट खुले, मेरी सहमति है। पूरे गांव का विकास हो, बेरोजगार को रोजगार मिले इसी में सबका भलाई है।

18. **श्री मोहन कुमार सागर, ग्राम अमेरी–अकबरी:–**

मैं नोवा आयरन कंपनी के द्वारा क्षमता विस्तार का समर्थन करता हूं और मैं चाहता हूं कि नोवा प्रबंधन द्वारा हमारे गांव को शिक्षा, संस्कृति, पेयजल, सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करते हुए हमारे गांव के बेरोजगारी को योग्यतानुसार रोजगार देवें।

19. **श्री वृंदा प्रसाद निषाद, ग्राम–दगौरी:–**

मैं नोवा कंपनी के विस्तार संस्था का समर्थन करता हूँ, लेकिन इसके साथ–साथ कंपनी से यह सहयोग चाहता हूं कि वे हमारे ग्राम पंचायत के जितने भी किसान भाई के जमीन लिये गये हैं उनके बच्चों को योग्यतानुसार काम दिया जाये। गांव में हमारे पानी की समस्या रहती है उसके लिये तो सहयोग करते आये हैं लेकिन हमारे किसान को ज्यादा समस्या है हमारे किसानों को जिनको शासन के द्वारा भी कई बार सहयोग नहीं मिल पाती, लेकिन हम नदी के किनारे होते हुए भी हमारे गांव के किसान बिल्कुल बेसहारा हो जाते हैं उनको सिंचाई के लिए पानी की सुविधा नहीं मिल पाती, लेकिन अगर कपंनी थोडी सी सहयोग करे तो बिल्कुल हमारे गांव को किसानों को पानी के लिए तरसना नहीं पड़ेगा। कंपनी से मैं यही सहयोग चाहता हूं कि वे हमारे गांव में तालाबों से पानी ले जाने की व्यवस्था करे और उन्होंने आश्वासन भी दिया है कि इस कार्य को करूंगा करके, हमारे गांव के जितने भी शिक्षित बेरोजगार हैं उनको भी काम मिले, हमारे गांव में बिजली की व्यवस्था भी करें, ताकि हमारे गांव किसी भी प्रकार से बिजली की कमी न हों। हमारे गांव में बिजली की कटौती होने के कारण बीच–बीच में हमें पानी के लिए तरसना पड़ जाता है। इसलिए यह कंपनी जो पॉवर प्लांट लगा रही है उससे हम चाहेंगे कि समय आने पर वे सहयोग करें। साथ ही हमारे गांव में जो शिक्षा, स्वास्थ्य है उसमें भी ध्यान दिया जाये, वैसे ध्यान तो दिया जाता है लेकिन कंपनी के द्वारा वहां पर अपने कर्मचारी रखे और सुविधा भी दे। इसी के साथ मैं कंपनी का समर्थन करता हूँ कि वे भविष्य में हमारे गांव का, हमारे आसपास के क्षेत्र का, बेरोजगार युवक को एवं किसानों को सहयोग करता रहे।

20. **श्री आकाश सोनी, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

कंपनी द्वारा हमारे गांव के लोगों के लिए अभी तक जो अपनी छत्रछाया बनाकर रखे। मैं कंपनी का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ।

21. **श्री नरेन्द्र कुमार सन्नाड, ग्राम–दगौरी :–**

बहुत ही खुशी का विषय है कि ये नोवा कंपनी के विस्तार, मैं अपने मन से सम्पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ। इसका कारण यह है कि विगत 20 वर्ष से लगातार हमारे

पंचायत को मूलभूत सहयोग देता आ रहा है। साथ ही अमेरी के मूलभूत समस्या का निराकरण हर समय उद्योग प्रबंधन द्वारा सहयोग दिया जाता हैं। इसलिए मैं समस्त जनता से भी अनुरोध करता हूँ कि वे अपने अमूल्य समय को सही विचार रखते हुए उद्योग का समर्थन करें।

22. **श्री एम. पी. जी. लाल परमेश्वर, ग्राम–उड़गनः–**

नोवा कंपनी की स्थापना लगभग वर्ष 1991–92 में हुआ था, उस समय लोगों के मन में यह आशा थी कि हम लोंगो को बहुसंख्यक रूप में रोजगार मिलेगा। लेकिन कंपनी की स्थापना के बाद ऐसे कुछ देखने को मिला कि जिसका जमीन निकला है केवल उन्हीं के बच्चों को काम में लिया गया है और कई लोग अभी भी बेरोजगार हैं। कंपनी जब जमीन अधिग्रहण किया, उसमें कुछ किसानों अपनी जमीन उचित मूल्य पर कंपनी को दिया उसके बावजूद भी कुछ ही गिने चुने लोगों को रोजगार दिया गया। अभी भी गांव में बहुत सारे लोग बेरोजगार घूम रहें है। आश लेकर बैठे हैं कि कंपनी की स्थापना होने के बाद यह विस्तार होगा, तो रोजगार मिलेगा, लेकिन बहुतायत कितनों को मिलता है, जितनी उम्मीद की जाती है, उसमें उतनी कामयाबी नहीं मिल पाती। मेरा कंपनी प्रबंधन से निवेदन है कि वे आसपास के लोगों के हित में काम करें और स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दें।

23. **श्री देवदास नारंग, ग्राम–उड़गनः–**

मैं कंपनी का समर्थन करता हूँ, और गांव के लोगों एवं नवयुवक को कंपनी काम दे।

24. **श्री मनमोहन निर्मलकर, ग्राम–बरतोरीः–**

मैं कंपनी से अनुरोध करता हूं कि यहां पर स्थित स्थानीय निवासी आसपास के समस्त ग्राम में जितने भी स्कूल हैं उन सब पर थोड़ी प्रोत्साहन करे और शिक्षा की व्यवस्था उचित बनाए और शिक्षा के साथ यहां पर स्पोटर्स सेंटर की व्यवस्था की जाये ताकि यहां के स्थानीय निवासी जो अच्छे खिलाड़ी हैं उन सभी को आगे बढ़ने का मौका मिले और इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।

25. श्री गणपत राम यादव, ग्राम–अमेरी अकबरीः–

यह नोवा कंपनी हमारे गांव में सहयोग करती आ रही है चाहे शिक्षा के क्षेत्र में हो चाहे संस्कृति के क्षेत्र में या सामाजिक क्षेत्र में हो। उसी प्रकार अधिक से अधिक बेरोजगार लोगों को भी रोजगार देने की कोशिश करें।

26. श्री मिथलेश कुमार केंवट, ग्राम–अमेरी अकबरीः–

हम चाहते हैं कि नोवा प्रबंधन के द्वारा क्षमता विस्तार में बहुत मजदूरों की जरूरत पड़ेगी, इसमें पहले प्राथमिकता आसपास के क्षेत्र के बेरोजगारों को योग्यतानुसार रोजगार देना चाहिए। मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।

27. श्री सुनंदा रेड्डीः–

I V. Sunanda Reddy, Environmentlist my best wishes and supporting the Management of M/s. NOVA IRON & STEEL LIMITED Generally Environmentalists opposses Industries. But I am hole heartedly supporing planning setting up anproposed expansion of integrated Iron & Steel Plant to 1.5 MTPA Capacity & captive power plant 260 MW. Because in India approximately 40 crores youth between the age group of 18 to 35 years are waiting for Employment opportunities and urgent need of industrial Development of Chhattisgarh. At the same time here is a great necessity to protect the Ecological balance. I am giving you few suggestions to maintain the Ecological blance and evelopment of your industriy.

1. You consultant have already conducted baseline survey of air, water, land it is very good. My request is please collect the data of the health status of the people, Data of Crop Production status and ground water availability status withih 10 Kms radius. It is very useful in future and utilize as a parameter to take precautionry affective measuers to maintain ecological balance.
2. My request ans suggestion you take up industry exapansion of integrated Iron & Steel Plant to 1.5 MTPA Capacity & captive power plant 260 MW. Whatever you draw water from

backwater of Sheonath river approximately 1480 Crore liters. The source of river is limited. The water is not flowing through out the year it is beneficial to construct storage tanks for collecting overflowing water during rain season.

3. Your industry has 803.05 acres land. The rain water received in this area 400 Crore liters per annum. My humbly request you to contruct water harvesting structures and storage structures to store the water it is useful for you usage in Industry ans also develop ground water levels in this area. And also whatever usage water for your industry. Collect and storage in rain season it is useful in non rain days for your industry.

4. The management of the industry is planning to 33% of your land to takeup plantation is very good. But my suggestion is natural resources is limited. Indian population is growing 10 crores for every 10 years. It is very preseried on natural resources. If there is any possibility to you please take up plantation 45% to 50% of land in your industry. It is very useful activity to maintan Ecological balance.

5. Please take up village plantation in earby villages and also avenue plantation for internal roads on which roads your vehicles trasnport the materials to control dust pollution. My request i you should give priority to plant fruit baring plants and medicinal value plants insteed of normal plants it is useful to control dust pollution and also available fruits in near by villages.

6. Ple4as give to priority to the local educated unemployed youth to give empoyment in your industry.

7. My humble request is to promote skill development training to unemployed youth to better skills useful to get employment chances in your industry remaining youth to get

jobs in other places. Countries like Japan and Korea 95% of youth they got skill development in India only 5 to 6 percent youth skilled persons.

8. my request is to form a co-ordination committies with you company officials, Govt. Officials and PCB Officials and villages to take up plan of action of CSR budget it is vey useful and meaining ful to take up demand oriented works. Which is vey essential to village development. Please duscourage target oriented works. With this activity a agreat crediability comes to you.

Once again my best wishes and supporting to you industrial develpment at the same time please maintain the Ecological balance and evironmental safety.

I am congratulating your environmental consultancy which has prepaid detailed EIA report to your project is very good and satisfactory.

I am requesting the public hearing panel committee to recomentd the MOEF to give un conditioned permission to M/s. NOVA IRON & STEEL LIMITED proposed expansion of integrated Iron & Steel Plant to 1.5 MTPA Capacity & captive power plant 260 MW in Dagori (V), Ameri Akabari & Satighat, Tehsil: Bilha, District: Bilaspur (C.G.).

28. **श्री किशोर कुमार बंजारे, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

नोवा कंपनी द्वारा अमेरी अकबरी, दगौरी इत्यादि आसपास के जितने भी गांव हैं सभी के लिए सहयोग किया है और हमें विश्वास है कि आगे भी इसी प्रकार सहयोग करेगी। कंपनी खुले, उसका विस्तार हो ताकि हम सब की तरक्की हो।

29. **श्रीमति राजकुमारी कौशिक, ग्राम–दगौरी :–**

सभी ने प्लांट का समर्थन किया है इसका कारण है कि इस प्लांट की स्थापना यहां हुई है तब से यहां के लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं, कंपनी प्रबंधन के द्वारा गांव के बच्चो को भी शिक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। साथ ही पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रख रहे हैं। इसलिए मैं उद्योग की इस क्षमता विस्तार का मैं समर्थन करती हूं।

30. **श्री गेंदूराम यादव, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

मैं कंपनी को समर्थन देता हूं कि कंपनी बढ़े और बेरोजगार युवक को काम दें।

31. **श्री कृष्णचंद महापात्रा, ग्राम–पौंसरी :–**

यहां नोवा स्पंज आयरन वर्ष 1992–93 से चालू है और तब से हम देखते आ रहे हैं कि स्थानीय लोगों को जैसे दगोरी, अमेरी अकबरी, उडगन, पौंसरी आदि सभी को ध्यान में रखते हुए काम करते आ रहे हैं। विगत दो वर्षों जो भूषण इसे खरीद लिया है और उसमें अधिक से अधिक हमारे ग्रामीण लोगों को नौकरी में रखा गया है। प्रदूषण रोकथाम के लिए पहले से यहां मशीन लग चुका है। नोवा स्पंज आयरन को इस विस्तार के लिए मैं समर्थन करता हूँ।

32. **श्री परमेश्वर कौशिक, ग्राम–दगौरी :–**

विस्तार के संबंध जैसे ही मैंने सुना तो बहुत ज्यादा खुशी हुई, इसके पहले हम लोग को ये दिन देखना दुर्लभ होता था, आज शायद दगौरी में कम से कम 10–15 लड़के इंजीनियरिंग कर रहे हैं, और कुछ लोग कर भी लिये हैं, और कुछ लोग अभी नोवा में कार्यरत हैं। आसपास के लोगों को भी पूछने पर पता चलता है कि वे नोवा कंपनी में काम करने जाते हैं। कंपनी द्वारा यहां आसपास के सभी ग्रामों के स्थानीय लोगों को रोजगार एवं मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध करा रही है। यहां सबको रोजगार मिले और उद्योग प्रबंधन द्वारा सहयोग करते रहते हैं। इसलिए इस विस्तार का मैं समर्थन करता हूं।

33. **श्री हरदेव सिंह मरकाम, ग्राम–पौंसरी :–**
नोवा स्पंज आयरन पॉवर प्लांट विस्तार का समर्थन करता हूं।

34. **श्री घनश्याम कौशिक, ग्राम–दगौरी:–**
मैं इस प्लांट के विस्तार का समर्थन करता हूँ।

35. **श्री सीतवन गेंदले, ग्राम–उड़गन:–**
नोवा आयरन से हमे काई आपत्ति नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलेगा।

36. **श्री हरदेव गेंदले, ग्राम–उड़गन.:–**
नोवा कंपनी का मैं समर्थन करता हूँ।

37. **श्री प्रकाश कुमार मनहर, ग्राम–केवाची:–**
इस नोवा प्लांट का विस्तार किया जा रहा है, इसके संबंध में कोलकाता के कंपनी द्वारा पर्यावरण संबंधित जानकारी दी गई है। 2011 में इसका सर्वे किया गया था तो पूर्व इन्होंने कहा था कि कम से कम 78000 पॉपुलेशन इसके चपेट में आयेंगी। पर्यावरण पॉल्यूशन होगा 78000 इसमें 56 गांव प्रभावित होंगे और उससे यहां डस्ट उड़ेंगे, यहां 300 मेगावॉट की पॉवर प्लांट लगाई जायेगी, फर्नेस लगाया जायेगा, बहुत सारे रोलिंग लगाये जायेंगे। तो जो लग रहे है इसके बारे में ठीक है इसके एवज में जो नुकसान होगा उसका कुछ समाधान किया जाना चाहिए। सन 2011 के सर्वे के अनुसार आसपास के 56 गांव प्रभावित होंगे कम से कम 78000 संख्या इसमें दिया गया है। और इसमें 1610 घनमीटर पानी खपत आयेगी, इसमें नदी, तालाब का पानी का उपयोग किया जायेगा जिससे वॉटर लेवल में डाउन होने की संभावना है। इसमें एसओटू, एनओएक्स, धुंए, ठोस अपशिष्ठ जिसमें तैरता हुआ अतिरिक्त तेल और ग्रीस होंगे। एसओटू, वीओसी प्रतिकूल प्रभाव, ठोस के दुष्प्रभाव, खुले क्षेत्र में भंडारण ठोस कचरे समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य पर सुरक्षा खामियों के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगी। इस परियोजना के सार रिपोर्ट में दिया गया है कोलकाता की एक कंपनी ने,

जिसका नाम है एम एन डस्टर एण्ड कंपनी प्रा.लि. जो इस सर्वे रिपोर्ट 2011 में की गई थी। इस नोवा प्लांट द्वारा क्षेत्रों को प्रभावित किया जा रहा है। इसलिए मैं इसको समर्थन नहीं देता।

38. **श्री राजकुमार साहू, ग्राम–दगौरी :–**

मैं नोवा को समर्थन नहीं बल्कि साथ देता हूं, हाथ में हाथ देता हूं और कंधे से कंधा देकर इस कंपनी का साथ देता हूं। उद्योग प्रबंधन द्वारा दगौरी, अमेरी अकबरी, उड़गन एवं पौंसरी आदि ग्रामों में अपनी क्षमतानुसार सहयोग दिया गया और आगे भी देंगे। उद्योग प्रबंधन द्वारा आसपास के ग्रामों में सामूहिक रूप से दुर्गोत्सव एवं सामाजिक कार्यक्रमों में प्रत्यक्ष रूप से अर्थिक सहयोग दिया जाता है। इससे स्पष्ट है कि यह प्लांट प्रबंधन इस ग्राम दगौरी का ही सदस्य के जैसा है। उद्योग प्रबंधन से मेरा कहना यह है कि जिन किसानों की खेत अथवा भूमि आपके द्वारा खरीदी गई है उस किसान के परिवार को कम से कम एक सदस्य को यदि आपके पास रोजगार हेतु आते है तो उसे योग्यतानुसार काम दिया जाये। हमें आपसे उम्मीद है कि आप भविष्य में अच्छे ढंग से काम करोगे। क्योंकि दगौरी, अमेरी अकबरी, उड़गन, पौसरी आदि ग्राम के आप भी एक सदस्य हैं। हमारे ग्रामवासियों का जो भी मांगें है जैसे पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि जो भी समस्या को दृष्टिगत रखते हुए आपके द्वारा समाधानकारक कार्यवाही की जाये। हमें यही आशा एवं उम्मीद है। इसी आशा और उम्मीद के साथ मैं इस कंपनी को समर्थन देता हूं।

39. **श्री प्रदीप जायसवाल, पंच, ग्राम–पौंसरी:–**

नोवा स्टील प्लांट अपना विस्तार करना चाहता है मेरा उसमें समर्थन है।

40. **श्री मंतराम निषाद, ग्राम–दगौरी:–**

जितना किसान भाईयों का जमीन निकला है तो प्लांट प्रबंधन से निवेदन है कि भाई को नौकरी दे। हमारे ग्राम के विकास में जैसे पानी, स्वास्थ्य केन्द्र, बिजली आदि इसका भी व्यवस्था कराये।

41. **श्री मिलन दास, ग्राम–उड़गन :–**

वर्ष 2006 में अपना जमीन नोवा कंपनी को बेचा हूं। मुझे जो वेतन दिया जा रहा है उद्योग प्रबंधन द्वारा वह कम है और बढ़ाया जाये और अच्छे से कार्य करें।

42. **श्री रामायण यादव, ग्राम–पौंसरी:–**

नोवा कंपनी के विस्तार में समर्थन मैं भी दे रहा हूं।

43. **श्री मुकेश कौशिक, ग्राम–दगौरी:–**

मैं चाहूंगा कि नोवा प्रबंधन हेल्थ पे थोड़ा सा फोकस करे। आज मुझे जानकारी में आती है कि गांव स्तर में लोगों कों थोड़ा सा प्राबलम आ रहा है। इसलिए मैं अपेक्षा रखूंगा कि कंपनी अपने स्तर पर ध्यान दें। इसके अलावा जो क्वालीफाइड, एजुकेटेड लड़कें हैं आसपास के क्षेत्र में उनके लिए भी विशेषतौर पर मैं अनुरोध करना चाहूंगा। जो एजुकेटेड लोग है वो गांव में आज खाली बैठे हैं उनके ओर सबसे पहले ध्यान देवें। क्योंकि आज एजुकेटेड लोग यहां होकर भी नहीं समझ पायेंगे की लोगों को दिखता है कि पढ़े लिखे लड़के घूम रहें है। तो लोगों की इच्छा पढ़ाई के स्तर पे कम होती जा रही है। पहले जो पढ़े लिखे लोगों की ओर ध्यान देंगे तो आज जो शिक्षा का स्तर है वो भी सुधरेगा। गांव में बिजली की व्यवस्था पर भी ध्यान दें।

44. **श्री दीपक जांगड़े, ग्राम–उड़गन:–**

मैं नोवा कंपनी का समर्थन में हूं।

45. **श्री कमलकांत सोनवानी, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

सबसे पहले मैं एक बात बोलना चाहूंगा कि हर हाथ को काम मिले, हर पढ़े लिखे को रोजगार मिले। सभी कंपनियों से हम ये आशा करते हैं और नोवा प्रबंधक इसमें अग्रणीरूप से आगे बढ़ रहा है। हम सभी को इनका सहयोग करना चाहिए। तनम न धन सभी तरीके से । आप सभी इनका साथ दिजिए और नोवा कंपनी रोजगार के साधन उपलब्ध करायेगी।

46. **श्री राजकुमार भोंसले, ग्राम–उड़गन :–**
नोवा का मैं समर्थन करता हूं।

47. **श्री रामचरण धृतलहरे, ग्राम–उड़गन :–**
नोवा का मैं समर्थन करता हूं कि वो काम जारी करे।

48. **श्री मोहन मनहर,ग्राम–उड़गनः–**
हमारा जमीन गया है, चार लड़के हैं, उनको नौकरी मिलना चाहिए। नोवा से।

49. **श्री कैलाश कुमार गेंदले, ग्राम–उड़गनः–**
नोवा कंपनी से हमे कोई आपत्ति नहीं है। नोवा कंपनी का जो विस्तार है वो आगे बढ़े, नोवा कंपनी को मेरा समर्थन है।

50. **श्री धनंजय सन्नाड, ग्राम–दगौरी :–**
नोवा कंपनी को मेरा समर्थन है और जितना जल्दी हो स्टार्ट करे और उसके बाद युवाओं को जल्द से जल्द नौकरी दे। इससे बेरोजगारी जरूर हटेगा।

51. **श्री शिव कुमार निषाद, ग्राम–उड़गनः–**
मैं नोवा कंपनी के सतर्थन में हूं और जो हमारे यहां रेल्वे साईडिंग बना है उसमे हम लोग काम करने जाते हैं 4–5 आदमी हैं उसमें हमारे गांव उड़गन का हर घर का एक–एक आदमी को लगना चाहिए। एक घर से 4–5 आदमी काम कर रहें हैं वह बंद होना चाहिए।

52. **श्री हृदय राम निषाद, ग्राम–उड़गन :–**
मैं कंपनी से चाहता हूं कि हम गरीब आदमी हैं। यें कंपनी उड़गन में बन रहा है और दूसरा कंपनी बनेगा तो हम कहां जायेंगें? हम लोग स्थिती गंभीर हालात है इसका अवश्य निवारण करे जाये।

53. **श्री होरीलाल साहू, पूर्व उप सरपंच, ग्राम–दगौरी :–**

25 साल हो गया है इस कंपनी को खुले। गोदनामा लिया हूं बोलता है, आज तक के गोदनामा का मतलब क्या होता है मैं कलेक्टर साहब से विनय कर रहा हूं क्या होता है गोदनामा का मतलब। यहां ना पानी की व्यवस्था, ना बिजली की व्यवस्था, ना रोजगार की व्यवस्था, किसान को आज तक के दलाल के माध्यम से जमीन को खरीदा गया है, आज तक किसी को रोजगार नहीं मिला। हमारे गांव के युवकों को 7000 वेतन मिलता है और बाहरी लोगों को 25000 मिलता है, इसमे क्या भेद है इसका मैं जानकारी चाहता हूं। पूछना चाहता हूं और राखड़ खा रहे बच्चे लोग, उनके लिए मजदूरी 150–200 रू. और 400 रू. आधा रोजी दे रहे हैं, ये तो गलत है मेरे हिसाब से उसके बाद दगौरी के लिए दुर्गा चंदा में जाओंगे तो 2000–3000 और चकरभाठा–बिलासपुर के लोगों का 50000 रू. देते हैं। भेद भाव कर रहे हैं कंपनी वाला। ये बात नहीं होना चाहिए। कंपनी खुले अच्छी बात है, रोजगार मिलना चाहिए। कंपनी प्रबंधन खुद किसान की जमीन को लेना चाहिए दलाल के माध्यम से नहीं लेना चाहिए। रोजगार मिलना चाहिये, पैसा मिलना चाहिये। कंपनी खुलने से हमे आपत्ति नहीं है। अमेरी को गोदनामा लिया है आने जाने के लिए बिजली नहीं है, सड़क नहीं है। कंपनी खुले रोजगार बढ़े सही ढंग से दाम मिलना चाहिये। अमेरी–दगौरी तक बिजली की व्यवस्था होना चाहए। गांव में नाली पानी की व्यवस्था होनी चाहिए और योग्यता अनुसार मजदूरी मिलना चाहिए। कंपनी प्रबंधन बोलता कुछ है और करता कुछ है ऐसा नहीं होना चाहये सही काम करे तो हमे कोई आपत्ति नहीं है कंपनी खोलने पर।

54. **श्री राजू सिंह ध्रुर्वे, ग्राम– पौसरी :–**

अपने परिक्षेत्र में जितने भी गांव आते है वहां स्वास्थ्य के संबंध में, शिक्षा के संबंध में और अन्य व्यवस्था में ध्यान दें और किसी गांव को विशेष रूप न लेकर पूरे क्षेत्र पर ध्यान दें।

55. **श्री चैनू राम बंजारे, ग्राम–उड़गन :–**

मैं समर्थन दे रहा हूं। मेरे कहने से तो कंपनी बंद नहीं होगा इसलिए हमेशा खुला रहे। उड़गन रास्ते पर रेल्वे लाईन पड़ता है उसमे रात्रि के लिए लाईट की व्यवस्था होनी चाहिए।

56. **श्रीमति नीरा देवी, अधिवक्ता, राज महंत, सतनामी समाज :–**

आज लोक सुनवाई रखे हैं तो मैं नोवा की समर्थन में बात रखूंगी। नोवा के समर्थन में ऐसे हवा–हवाई में बात नहीं रखूगी जो हकीकत है उसे बता कर बात रखूंगी। नोवा के खुलने से और नोवा के विस्तार से जो शहरीकरण से शहरी व्यक्ति का विकास होता है, शहरी इलाका का विकास होता है उसी प्रकार ये ग्रामीण क्षेत्र का विकास हो रहा है और आगे भी होगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी अगर यहां के निवासी चाहे तो वे अपने–अपने बच्चों को नोवा के स्कूल में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ा सकते हैं। उसमे कोई रोक–टोक नहीं है, बशर्ते कि हम यह बात जाने कि हमारे बच्चे आगे बढ़े और अच्छे स्कूल में पढ़े तो नोवा स्कूल में पढ़ाया जा सकता है। दूसरे जगह बीमार पड़ने पर उसे खाट में हास्पिटल ले जाना पड़ता है, लेकिन यहां कोई बीमार पड़ता है तो यहा एक फोन करने पर एम्बूलेंस पहुंचा जाता है और आसानी से हास्पिटल पहुंचाया जा सकता है, जहां तक क्षेत्र विशेष को ज्यादा चंदा, ज्यादा तवज्जो मिलने की बात है तो आप जितना चाहोगे उतना देगा नोवा। बशर्ते हम अपने जन शक्ति के साथ दमखम के साथ बात को रखें। कारखाना के विस्तार से हमारा नुकसान नहीं है, कारखाना का विस्तार होगा तो हममें यदि एकता है, जनशक्ति में एकता है तो जो हम कहेंगे वही होगा। हमारे क्षेत्र को छोड़कर किसी दूसरे को नौकरी में नहीं रख सकता। बशर्ते हम वो तैयारी करें, वो पढ़ाई करें, जिसका उसे जरूरत है जैसे–इंजिनियरिंग की पढ़ाई, लेबर और अन्य विभागीय जरूरत के हिसाब से कोर्स करके आयें तो निश्चित रूप से हमारे बच्चे ऐस कोर्स करेंगे तो नौकरी में नहीं रखेगें ऐसा सवाल ही नहीं उठेगा, फिर कहां जायेगा नोवा वाले। हम सब में ताकत होना चाहिए। मैं नोवा प्रबंधन से महिलाओं के लिए मैं कहना चाहूंगी कि इनके लिए सिंलाई, कढ़ाई, उनके विकलांग बच्चों का विशेष ध्यान रखाना चाहिए ताकि महिलाएं अधिकार पूर्वक कह सके कि हमे नोवा द्वारा सिलाई सिखाया गया है, पढ़ाया है तो हम आज नोवा के माध्यम से इतना आगे बढ़े हैं ये कह सके, महिलाएं उदाहरण दे

सके। ये सबके लिए मैं निवेदन प्रबंधन से निवेदन करूंगी। बार–बार मैं नोवा की समर्थन करूंगी, नोवा के वजह से हमारे इलाके को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इसलिए मैं नोवा कंपनी का समर्थन करती हूं।

57. **श्री मोहित आदिल, ग्राम– दगौरी :–**

नोवा के विस्तार का मैं समर्थन करता हूं। कंपनी का विस्तार किया जाए।

58. **श्री घांसीराम रात्रे, ग्राम–किरारीगोड़ी :–**

आज यहां कंपनी विस्तार के लिए लोक सुनवाई रखे गये है। मैं अपने तरफ से एक बात रखना चाहूंगा। हकीकत और लिखित में जो हमारे नोवा कंपनी से हुआ है या अन्य कंपनी से हुआ है उसमें बताया गया है चार गांव वो है दगौरी, अमेरी अकबरी, उड़गन और पौंसरी ये 2016 के लोकसुनवाई में पत्र प्रकाशित हुआ है, और आज यहां 56 गांव का कोरम पूरा किया जायेगा और मेरे छत्तीसगढ़ीया भाई कितने प्रतिशत अंग्रेजी पढ़े होंगे मैं नहीं जानता। लेकिन एक बात जरूर जानता हूं, छत्तीसगढ़ीया भाई लोग ज्यादा अंग्रेजी पढ़ना नहीं जानते इसलिए इसे 56 गांव अंग्रेजी में दिया गया है आप लोग पढ़ लो। यही कोई जन सुनवाई का तरीका है और आज का जमाना ऐसा है सीधा में एक चीज बोलूंगा सबल बढ़िया छत्तीसगढ़ीया ऐसा कहते हैं और सिर्फ कहते हैं छत्तीसगढ़ीया क्या चीज ठीक से करना नहीं जानते, हां यही नहीं जानते छल–प्रपंच को नहीं जानते और जहां स्वास्थ्य का बात करें तो पहले 1 प्रतिशत बीमारी रहता था दमा, टी.बी. आज 15 लोगों को हो रहा है ये बात है और बाद में कहते है ये हो वो होगा कुछ नहीं होने वाला मैं तो इसका विरोध करता हूं, छ.ग. को धान का कटोरा कहते हैं कहीं ये लोहे का कटोरा ना बन जाए।

59. **श्री अमरनाथ भारद्वाज, ग्राम–दगौरी :–**

धर्मशाला बनाने के लिए हमें छड़, सीमेंट, रेती दिया जाये। हमारा काम अधूरा हो गया हैं।

60. **श्री देवीलाल जांगड़े, ग्राम–उड़गन** :–
मैं एक बात कहना चाहूंगा साहब लोगों से मेरा निवेदन है कि जो पढ़े है, और अनपढ़ है उन्हे योग्यतानुसार नौकरी दिया जाये। नोवा कंपनी को मैं समर्थन दे रहा हूं।

61. **श्री वेदप्रकाश ध्रुव, ग्राम– अमेरी अकबरी** :–
मैं अपना जमीन नोवा कंपनी को दिया हूं मैं गरीब आदमी नोवा कंपनी में नौकरी के लिए भटक रहा हूं आज तक नौकरी नहीं मिल रहा है।

62. **सुनीता भोसले, ग्राम–उड़गन** :–
मैं नोवा कंपनी के विस्तार से पूरी तरह सहमत हूं।

63. **श्री चंदूराम यादव, ग्राम–अमेरी** :–
मैं जमीन बेंचा हूं और मेरे को नौकरी मिलना चाहिए। मैं नोवा के समर्थन में हूं।

64. **रामवती जांगड़े, ग्राम– उड़गन** :–
समर्थन है।

65. **श्रीमति त्रिवणी भास्कर ग्राम– उड़गन** :–
नोवा कंपनी का हम समर्थन करते है।

66. **श्रीमति लखनी, ग्राम– उड़गन** :–
मैं कंपनी बनाने पर सहमत हूं।

67. **श्रीमति लता भोसले, ग्राम– उड़गन** :–
मैं कंपनी बनाने पर सहमत हूं।

68. **श्रीमति गीता जांगड़े, ग्राम– उड़गन** :–
कंपनी के लिए हम सहमत हैं।

69. **श्रीमति मोंगरा धृतलहरे, ग्राम– उड़गन :–**
हम कंपनी बनाने पर सहमत हैं।

70. **श्रीमति सम्मत बाई टंडन, ग्राम– उड़गन :–**
मैं सहमत हूं।

71. **श्रीमति शंति जांगड़े, ग्राम– उड़गन :–**
मैं सहमत हूं।

72. **श्रीमति रैमून बाई, ग्राम– उड़गन :–**
कंपनी खुलना चाहिये।

73. **ममता गेंदले, ग्राम– उड़गन :–**
मैं नोवा कंपनी को समर्थन करती हूं। इसके साथ ही साथ मैं कहना चाहती हूं कि हमारे ग्राम पंचायत उड़गन में प्रायमरी तक ही स्कूल है मैं चाहती हूं कि हमारे ग्राम पंचायत उड़गन में 12वीं तक स्कूल खोला जाये। ताकि हमारे गांव के बच्चे जो दूर–दूर पढ़ने जाते हैं खास तौर पर लड़कियां इसलिए मैं चाहती हूं कि बच्चे गांव में ही पढ़ाई करें।

74. **श्रीमति हेमून बाई डहरिया, ग्राम– उड़गन :–**
रेल्वे साईडिंग में काम करने जाते हैं छोटे–छोटे बच्चे को लेकर वहां लाईट की व्यवस्था नहीं है, हर डब्बे में लाईट देना चाहिए। समर्थन में हूं।

75. **श्रीमति शारदा ध्रुव, उपसरपंच ग्राम– दगौरी :–**
मैं नोवा कंपनी के विस्तार से सहमत हूं।

76. **श्री देवकुमार मनहर, ग्राम– उड़गन :–**
मैं नोवा का समर्थन करता हूं।

77. **श्री भगवती प्रसाद जांगड़े, ग्राम– उड़गन :–**

मेरा समर्थन है और गांव में 12 वीं तक स्कूल खुलना चाहिये क्योकि बच्चें लोगों को बाहर जाने से परेशानी होता है इसलिए स्कूल खुलना चाहिए।

78. **श्री प्रकाश जिंदल, ग्राम– बिल्हा :–**

नोवा स्पंज आयरन स्टील प्लांट और बिल्हा दगौरी क्षेत्र आज एक दूसरे के पर्याय बन गये है। नोवा की बात आती है, तो दगौरी की बात आती है, दगौरी की बात आती है तो नोवा की बात आती है। ऐसा भाईचारा ऐसा सौहाद्र, ऐसा प्रेम और ऐसा व्यवहार किसी दूसरे औद्योगिक क्षेत्र में देखने को नहीं मिलता। जिस समय नोवा प्लांट का उद्घाटन हुआ म. प्र. के तत्कालिन मुख्यमंत्री आदरणीय दिगविजय सिंह जी, केन्द्र के मंत्री माननीय विद्याचरण शुक्ल जी आये थे उस वक्त भी मैं यहां मौजूद था, इस जगह पर लोगों का जनसैलाब मैनें देखा बिल्हा दगौरी क्षेत्र में, लोगों की आकाक्षांए देखी, लोगों की उम्मीद देखी नोवा से लगभग पूरी होती दिख रही है। क्षेत्र के लोगों को रोजगार, अच्छी सड़कें, खेल का मैदान, बच्चों को अच्छी स्कूली शिक्षा, औरतों के हित को ध्यान रखते हुए नोवा लोगों के हित में सार्वजनिक क्षेत्र में जो काम किया है वह कहीं और देखने को नहीं मिलता। मैं अपना इस प्लांट को पूर्ण समर्थन देता हूं। मेरी इतनी आकाक्षां है कि नोवा परिवार भी इस पूरे क्षेत्र के लोगों का ध्यान रखे, यहां युवाओं को रोजगार दे, किसानों के हित में जो कुछ हो सकता है नोवा परिवार से अपेक्षा रखते हैं कि वो सारा कुछ करें। किसान आत्महत्या कर रहें है इस पूरे प्रदेश में एकेले राजनांदगांव क्षेत्र में सैकड़ो किसानों ने आत्महत्या की है ऐसे में ये बहुत जरूरी हो जाता है कि परिवार के एक आदमी को औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार मिले ताकि उसकी आय सुनिश्चित हो। किसान के साथ–साथ उद्योग के क्षेत्र में हमारा आना जरूरी है। युवाओं से मेरा आग्रह है वे आई.टी.आई. करें, इंजिनियरिंग करें ताकि उन्हे स्थानीय स्तर पर यहां रोजगार मिल सके यह मेरी आकाक्षां है। मैं चाहता हूं सभी लोग एकमत से इसका समर्थन में आयें। क्षेत्र के युवा भावनात्मक रूप से जुड़ा है। मै बहुत से जनसुनवाई में गया हूं, वहां मैने भागीदारी की है, लेकिन जितनी शांतिपूर्वक यहां जनसुनवाई हो रही और जितनी भाईचारे के साथ बात रखी जा रही है ऐसा मैने पहले कहीं नहीं देखा। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि अरपा, मनियारी इन नदियों का जल स्तर सुरक्षित रखा जाये। साथ ही साथ नोवा कंपनी

ऐसे प्लांट स्थापित करें जिससे ग्राम वासियों सहित पूरे क्षेत्र के लोगों को शुद्ध पेय जल मिल सके। हम चाहेंगे नोवा परिवार सामाजिक उत्तरदायित्व निधि से पूरे क्षेत्र में कौशल उन्नयन का यहां पर ऐसा व्यवस्था दें जिससे लोगों को रोजगार मिले, महिलाओं के हित के लिए सिलाई, कढ़ाई, बुनाई केन्द्र है, कम्प्यूटर शिक्षा का केन्द्र बनाये ताकि नोवा को स्थानीय स्तर पर ह्यूमन रिसोर्स मिले। मानव संसाधन जरूरत है नोवा परिवार की वो बिल्हा क्षेत्र स्तर पर पूरी होनी चाहिए यह भी मेरी अपेक्षा है। जबकि भारत वर्ष चारों तरफ औद्योगिक क्षेत्र में उन्नति कर रहा है, तो हम पीछे क्यों रहें, बिल्हा क्षेत्र पीछे क्यों रहे। हम चाहेंगे सारे लोग मिलकर नोवा के साथ कंधे में कंधा मिलाकर अपनी बात रखें, जरूरत पड़ने पर नोवा परिवार का सहयोग लें। हम सभी के उत्तम स्वास्थ्य के लिये नोवा परिवार कुछ कर सकता है। नोवा परिवार यहां पर हास्पिटल, एम्बुलेंस के जरिये लोगों की सेवा करे। हम नोवा परिवार के साथ है, नोवा प्लांट के समर्थन में हैं।

79. **श्री कौशेद्र कुमार भोसले, ग्राम– उड़गन :–**

बड़े भाई–बहने बोल रहे थे कि नोवा से हमे नौकरी चाहिए, रोजगार चाहिए, हम जब कुछ करेंगे नहीं, पढ़ेंगे–लिखेगें नहीं तो नोवा कंपनी हमको नौकरी क्यों देगी। मैं 11वीं पढ़कर यहां नौकरी करने आया था, नोवा ने मुझे क्लेव इलेक्ट्रीकल में काम दिया था और उस क्षेत्र में कोई जानकारी नहीं था तो मैं काम क्या करता इस कारण मैंने छोड़ दिया और बिल्हा औद्योगिक प्रशिक्षण केंन्द्र में इलेक्ट्रीकल में आई.टी.आई. किया अब मैं यहां अपना नौकरी मांगने के लिए यहां आ सकता हूं तो कुछ ना कुछ डिग्री डिप्लोमा होना चाहिए तभी तो कोई कंपनी में नौकरी मिलता है तो इसी के साथ मैं अपना समर्थन नोवा कंपनी को देता हूं।

80. **श्री भोधीराम जांगड़े, ग्राम– दगौरी :–**

मेरा खेत को ले लिया है कि तुमको तन्खा देगें। अब जाते हैं तो कहतें है कि हम तुमको नहीं पहचानते।

81. **श्रीमति दूलौरीन बाई, ग्राम– दगौरी :–**

मैं नोवा कंपनी के समर्थन में हूं लेकिन यह कहना चाहती हूं कि 5000–6000 हमको तन्खा देते हैं लेकिन हम लोगों का घर उससे मुश्किल से चल पाता है इसलिए मैं यह आग्रह करना चाहती हूं कि कृपया हम लोगों का तन्खा कम से कम बढ़ा दिया जाए।

82. **श्रीमति सुशीला भारद्वाज, ग्राम– दगौरी :–**

हम नोवा कंपनी को समर्थन देते हैं।

83. **श्री मनहरण ध्रुव, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**

मैं नोवा कंपनी को समर्थन देता हूं और साथ ही साथ यह अपेक्षा रखता हूं कि यहां पढ़े–लिखे बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहा है तो निश्चित ही रोजगार मिलेगा ही। साथ ही साथ हम लोगों को जरूरत है साथ देने की।

84. **श्री कमलेश कुमार महिलांगे :–**

मैं नोवा कंपनी को अपना समर्थन देता हूं और साथ ही लोगों की सेफ्टी के लिए आग्रह करता हूं।

85. **श्री भृगू गेंदले, ग्राम– उड़गन :–**

I am agree with you, but i requested Nova family rural area is best educated people for work, but no job and best qualification Engineering, PG and IIT pass. I requested Nova Director sir unemployment people job provide to you.

86. **श्री मथुरा यादव, ग्राम– दगौरी :–**

हम 20–25 साल से जब से यहां कंपनी लगा है तब से यहां के युवकों को रोजगार मिल रहा है। सभी को सरकार नौकरी नहीं दे सकता। इसलिए निजी क्षेत्र में उद्योग में जगह बनाना पड़ता है तो उद्योग के क्षेत्र में आपकी जो क्षमता होगी उसी हिसाब से नौकरी दिया जायेगा। हमारे जितने किसान भाई है उनसे भी आग्रह है कि अपने–अपने बच्चों को ऐसे ही पढ़ाओं–लिखाओं ताकि कोई फिटर बन सके, कोई

इलेक्ट्रीयन, कोई वेल्डर, बन सके। मेरे कहने का मतलब यह है कि आप लोगों की एजुकेशन नहीं होगा, क्षमता नहीं होगा, शिक्षा नहीं होगा और हम कहेंगे कि जबरदस्ती नौकरी दो तो कहां से नौकरी देंगे। अब मेरा जमीन गया है और मेरे पास शिक्षा नहीं है तो क्या लेबर बनेंगे। मेरे कहने का मतलब है कि लेबर काम मत करों बच्चों को अच्छे से पढ़ाओं लिखाओं। साथ ही साथ प्रबंधन द्वारा क्षेत्र में ट्रेनिंग सेंटर खोलवा दें ताकि बच्चे लोग जाके ट्रेनिंग ले सकें। कोई पेंटिस करे, कोई फिटर, कोई इलेक्ट्रीशियन बने यही निवेदन है आप से।

87. **श्री रतन नारंग, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**

मैने देखा प्लांट लगाने से पहले सब लोग जनसुनवाई का कार्यक्रम रखता हैं, लेकिन शायद नोवा स्पंज आयरन यह नहीं समझा पहले तो नोवा स्पंज आयरन का प्लांट लग चुकी है। वैसे हमारी गांव उतना ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ था। उसके बाद बिना जनसुनवाई किये नोवा स्पंज आयरन ने पॉवर प्लांट लगा लिया और अच्छा हुआ जनसुनवाई से पहले पॉवर प्लांट लगाये हैं, पॉवर प्लांट लगाने के बाद 2–3 दिन ट्रायल किये थे। मैं यहीं का निवासी हूं और हमेशा तालाब में नहाने जाता हूं उस समय मैने देखा कि तालाब में नहाने लायक पानी नहीं है और सबूत के तौर पे मेरे गांव के चरवाहा लोग से बात करा सकता हूं। जब जानवर को पानी पिलाने तालाब में ले कर गये तो वहां जानवरों को पिलाने लायक पानी नही था। और जब नोवा का पॉवर प्लांट चालू होगा तो कोई भी तालाब इंसान के नहाने होगा और ना ही जानवरों के पानी पीने लायक रहेगी। तो ज्यादा किसी से और शिकायत नहीं करूगां। मेरे गांव के सहपाठी और साथियों भाईयों से आग्रह करूगां यदि पॉवर प्लांट चलेगा नोवा स्पंज आयरन का ना तो किसी किसान जमीन में धान उगेगी, ना नहाने के लिए पानी मिलेगा, ना जानवर के पीने के लिए पानी मिलेगा। यदि अमेरी अकबरी, दगौरी आसपास के रहने वाले हर कोई अपने जमीन में फसल नहीं उगाना चाहते, अपने जानवर को पानी नहीं पिलाना चाहते, तालाब में नहीं नहाना चाहते सब लोग मरना चाहते हैं तो फिर मैं भी अकेला जी के क्या करूंगां। यदि आप लोग सब लोग यहां मरने के लिए तैयार हो तो मैं भी आप लोगों के साथ मरने को तैयार हूं। इस जनसूनवाई में सब लोग समर्थन दे रहे है तो मैं अकेला कुछ नहीं कर सकता।

88. **श्री मथुरा प्रसाद भारद्वाज, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**

मेरा 54 साल उम्र है जब शुरू में प्लांट आया था तब उस समय दगौरी, अकबरी में पूरा खपरेल का घर था सब गरीब आदमी का और बड़े आदमी का लेंटर का था। आज जब से प्लांट आया है और जो भाई लोग रोजी–रोजगार कर रहें हैं, नोवा स्पंज आयरन में काम कर रहें है वे लोग आज सिर्फ लेंटर का ही मकान बना रहें हैं, और आग्रह कर रहा हूं कि हमारे गांव में और प्लांट खुले और हमारे गांव के लोगों का रोजी–रोजगार मिले। हम स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। मैनें प्रबंधन से धर्मशाला हेतु सीमेंट और सरिया के लिए आग्रह किया था तो उनके द्वारा तुरंत स्वीकृत किया गया। यहां प्लांट खुले एक नहीं दस खुले मुंझे कोइ एतराज नहीं है।

89. **श्रीमति अनुसुईया सोनी (पूर्व सरपंच) ग्राम– अमेरी अकबरी :–**

मैं यही कहना चाहूंगी कि जब से नोवा आयी है 20 वर्षों से उसके बाद जो तरक्की, विकास हुआ है, गांव के प्रति आसपास के लोगों के प्रति जो रूझान दिये हैं वह आज किसी का हुआ नहीं हैं और सारे शिकवा–शिकायत जो कर रहें हैं इनका तो आदत ही है शिकायत करने का ये जिस थाली में खाते हैं उसमें ही छेद करते हैं। यह मेरा अपना विचार है, दूसरी बात यह है कि लोग बोलते है कि प्लांट लगने से प्रदूषण हो ये हो वो होगा तो अगर आप किसान खेत नहीं दिये होते तो आज प्लांट क्यों लगती, मैं किसानों से पूछना चाहूंगी, शिकवा शिकायत वालों से पूछना चाहूंगी क्यों ऐसा शब्द डालते हैं। आप अपना बाहरी काम रखियेगा और जिस थाली में खाते हो उसी में छेद कर करते हो वो भगवान भी माफ नहीं करेगा ऐसे लोगों को जो विकास कंपनी कर रही है आसपास दगौरी, अकबरी अमेरी, उड़गन, पौंसरी, भोजपुरी वो विकास आज तक कोई नहीं किया। मैं चाहूंगी कि ऐसी विकास बनाये रखे और बेरोजगार को रोजगार मिले। प्लांट लगेंगे तो रोजगार मिलेगा, रोजगार मिलेगा तो विकास होगा।

90. **श्रीमति अर्चना सूर्यवंशी, ग्राम– दगौरी :–**

मैं नोवा प्लांट को समर्थन देती हूं। नोवा प्लांट से लोगों को रोजगार मिलेगा और बेरोजगारी खत्म होगी। आज तो जो गांव में विकास हुआ है वो नोवा प्लांट की वजह से हुआ है और आगे भी विकास होता ही रहेगा।

91. **श्रीमति आरती गायकवाड, मेडिकल आफिसर, दगौरी :–**

कंपनी खुलने से बहुत सारी समस्याएं आती है, स्वास्थ्य की समस्याएं भी आती हैं। उन सबका निदान भी होता है, उन सबका उपचार भी होता है। अगर हमारी सोच ऐसी होती कंपनी खुलने से बीमार पड़तें है तो शायद भारत में एक भी कंपनी नहीं खुल पाती, बिना कंपनी के रहते हम तो मैं तो यहीं कहूंगी यहां कपनी खुले यहां के बच्चों को रोजगार मिले, यहां के लोग अच्छी तरह से पढ़े लिखे और हर चीज में आगे आये। हमारी दगौरी की नोवा कंपनी से ही पहचान हो रही है। मैं इसके समर्थन में बोलना चाहूंगी। जो भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं है कंपनी उनका भी निराकरण करें और यहां प्लांटेशन करें।

92. **श्री विनोद कुमार गेंदले, ग्राम–उड़गन :–**

मैं नोवा कंपनी के विस्तार में सहयोग करता हूं, मैं फायर सेफ्टी का डिप्लोमा किया हूं और मैं कंपनी गया था एप्लाई करने के लिए तो वहां पर मौजूद सर बोले की हो जायेगा। जब कंपनी का विस्तार होगा तभी हम होगों को रोजगार मिल पायेगा। जितने भी आस–पड़ोस के गांव है, शिक्षित है, सभी युवा भाईयों को रोजगार मिलेगा। मैं नोवा कंपनी का हृदय से समर्थन करता हूं। जो नोवा कंपनी में एम्पलाई हैं, और जो होने वाले हैं उनके लिए सुनहरा मौका है।

93. **श्री वृजभूषण वर्मा, ग्राम– गोढ़ी :–**

निश्चित रूप से विकास अगर हम चाहते हैं तो कुछ ना कुछ हमे भी उसमें आहूती देना पड़ेगा। हर चीज का दो पहलू होता है मैं एक बार निश्चित रूप से कहना चाहूंगा। ये जो हमारा क्षेत्र है पूर्व में सबसे ज्यादा पलायन करने वाला क्षेत्र रहा है, आकाल, दुष्काल से पीड़ित ये क्षेत्र रहा है। 1992–93 से नोवा स्पंज एवं आयरन प्लांट के स्थापना के पश्चात् निश्चित रूप से दैगौरी से जुड़े हुए आसपास के व्यक्तियों को रोजगार मिला और रोजगार से आज हर गांव में समृद्धि नजर आ रहा है। चूंकि जहां उद्योग लगेगा वहां प्रदूषण होना भी स्वाभाविक है मैं नोवा प्रबंधन से यह निवेदन करना चाहूंगा कि क्षेत्रवासियों का जो चिंता है उस विषय में भी ध्यान देते हुए जो अच्छा से अच्छा व्यवस्था प्रदूषण कम करने में हो सकता है वह प्रयास प्रबंधन

द्वारा किया जायेगा यह मैं आशा करता हूं। निश्चित रूप से क्षेत्र में उद्योग के विकास हाने से क्षेत्र के अन्य विषय में भी हमें सहयोग मिलेगा। जैसे कि आज हमको देखने को मिलता है दगौरी, अमेरी में जनहित के मुद्दा में नोंवा कंपनी अपना योगदान देते आ रहा है। आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेय जल के विषय में नोंवा प्रबंधन का ध्यान चाहूंगा। समय–समय में इस क्षेत्र में काम करते हुए अपना उद्योग के विकास के साथ क्षेत्र के जनहित का भी बात अपने योजना में शामिल करेंगे। आज साल डेढ साल से प्रोजेक्ट के विस्तार के कारण नोवा स्टील प्लांट में काम बंद है। उस बंदी के कारण हम दगौरी, अमेरी आसपास के व्यक्ति महसूस कर रहे हैं कि उससे जो आमजन को रोजगार मिल रहा था आज वो रोजगार नहीं मिलने के कारण पुनः बेरोजगारी की स्थिति हमारे सामने आया। पुनः प्लांट प्रारंभ होने के बाद हममे एक उम्मीद जगा है कि हमे स्थानीय स्तर में बेहतर रोजगार मिलेगा। जिससे हम अपने क्षेत्र में, अपने घर में रहकर अपनी जीवन यापन कर सकते हैं, अपने बच्चों को शिक्षा दिला सकते हैं। पलायन का पीड़ा हम क्षेत्रवासी सहे हैं। आज नोवा स्टील प्लांट के विस्तारीकरण से निश्चित रूप से हमें रोजगार का और ज्यादा अवसर मिलेगा। जिससे क्षेत्र में समृद्धि आयेगा। मैं प्रशासन से भी निवेदन करना चाहूंगा कि प्रोजेक्ट के विस्तार के साथ साथ ही हमारे क्षेत्र में जो आई.टी.आई सेंटर है उसमें प्रत्येक पिरियेड में सीट बढ़ाने का कृपा करेंगें ताकि हमारे शिक्षित बच्चे आई.टी.आई. कर ये बढ़े हुए प्लांट में अपने रोजगार के लिए स्थान प्राप्त करने के लिए सक्षम हो सके। मैं पुनः नोवा प्लांट के विस्तारिकरण के लिए समर्थन करता हूं और क्षेत्रवासियों से भी आशा करता हूं कि हमे स्वास्थ्य से पहले भोजन चाहिए और भोजन के लिए रोजगार चाहिए और जब रोजगार मिलेगा तब हम लोगों के लिए बांकी विकास हमारे जीवन के लिए कोई मायने रखेगा। मैं आप सबसे भी निवेदन करना चाहूंगा कि वे प्लांट के विस्तारिकरण में अपना सहयोग एवं योगदान देवें। मैं अपना पूर्ण समर्थन नांवा स्टील प्लांट को दे रहा हूं।

94. <u>श्रीमति अरूणा दत्ता, बिलासपुर :–</u>

मैं नोवा कंपनी को अपना समर्थन देती हूं।

95. **श्री राहूल कुमार बघेल, बिल्हा :–**

जो हमारे यहां कंपनी खुल रही है, बहुत अच्छी बात है। मैं भी शिक्षित बेरोजगार हूं, इस कंपनी को मैं अपना पूरा समर्थन देता हूं।

96. **श्री प्रकाश सोनी, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

मैं नोवा का पूर्ण समर्थन करता हूं।

97. **श्री शंकर सूर्यवंशी, ग्राम–दगौरी :–**

मैं प्लांट का सदा दिन से समर्थन करता रहा हूं और आगे भी समर्थन है।

98. **श्री जितेन्द्र कौशिक, ग्राम–दगौरी :–**

कंपनी दो साल से बिक गया है, इसको भूषण कंपनी ले लिया है और भूषण कंपनी जो है कुछ काम नहीं किया है अभी तक दगौरी के लिए सहयोग मांगता हूं ये सब लोग झूठ बोल रहें हैं यहां के छोटे साहब हैं वे कुछ काम नहीं करते हैं, गरीब का मदद भी नहीं करते हैं ये लोग मैं ये कंपनी में 3 साल से काम कर रहा था 3 साल काम करने के बाद अचानक चोट लगा उसके बाद ये लोग मुंझे भगा दिये ईलाज के लिए भी पैसे नहीं दिये कुछ नहीं दिया। काम के लिए एक साल तक दरदर भटका एक साल से घूमा रहे हैं अभी तक नहीं दिये हैं। मेरे जैसे ही कई भाईयों को 70–80 लोग मेरे ग्रुप के सबको निकाल दिया है। मैं चाहता हूं अधिकारी कुछ न कुछ सहयोग जरूर करे, गरीब लोगों का धुमाये नहीं मैं जहां भी जाता था सब मुझें भगा देते थें।

99. **उषा कुमारी भारद्वाज, ग्राम– दगौरी :–**

नोवा प्लांट का जल्दी से जल्दी विस्तार होना चाहिये तभी बेरोजगारी हटेगी तभी छत्तीगढ़ विकसित बनेगा। मैं नोवा प्लांट का समर्थन करती हूं।

100. **श्री संतोष कुमार यादव, ग्राम– दगौरी :–**

मैं नोवा कंपनी का विस्तार हो इसका समर्थन में हूं।

101. **श्री बिंदा यादव, ग्राम– दगौरी :–**

आज हमारे ग्राम–दगौरी में इस नोवा कंपनी को आए 23 से 24 साल हो गया है। उसके पहले मैं देखता था कि चौक में दस आदमी का झुंड रोड में दस आदमी का झुंड बेरोजगारी इस गांव को चपेट रहा था। उसी वक्त हमारे गांव के बुजुर्गों ने प्रस्ताव किया कि यहां प्लांट लगाने के लिए जो कंपनी आ रहा है तो उसे स्वेच्छा से जगह दिया जाये। ताकि हमारे बच्चों का हमारे आने वाले बच्चों का भी विकास हो, इस प्रकार इस कंपनी को 1990 में ग्राम–दगौरी में स्थापित किया गया, जहां बेरोजगारों को रोजगार मिला, अशिक्षित को भी पढ़ने का अवसर मिला। आज नोवा कंपनी एक अच्छी कंपनी है, जो बाहर से आतें हैं आई.टी.आई करके उसके लिए भी प्रशिक्षण केन्द्र खोल रखा था। जिसमें वेल्डर, कटर, फिटर, और सर्किट आपरेटर का काम, इंजिनियर का काम सभी प्रशिक्षण अपने अंदर में उसको दिया जाता था, और कंपनी के अंदर निःशुल्क पढ़ाई भी होता है, जहां कोई भी आसपास क्षेत्र के व्यक्ति अपने बच्चे को इंग्लिश मिडियम में पढ़ा सकता है। कंपनी में एम्बुलेंस की सुविधा है जिससे आसपास के व्यक्तियों को लाभ प्रदान होता है। कंपनी में काम करने वाले सभी वर्करों को भी स्वेच्छा से सेफ्टी के रूप में जूता, सेफ्टी गोगल, हेलमेट, हेण्ड ग्लोफ सब उपलब्ध है। जहां हमारा मैनेजमेंट पूरा–पूरा अपने वर्करों का अपने कामगरों का पूरा ध्यान रखता है और ऐसे उन्नितशील कंपनी के लिए मैं एक बार नहीं हजारों बार आग्रह करूंगा कि यहां और पॉवर प्लांट बनाये, और किलन लगाये, और फर्नेस बैठाये, रोलिंग मिल लाये ताकि हजारो हाथों को यहां काम मिल सके। जहां इतना सुविधा कंपनी द्वारा मिल रहा है, वहां आदमी को अपने मेहनत से फायदा उठाना चाहिए काम करके, वहां उसका विरोध नहीं कराना चाहिए, जो विरोध करता है, वो कामचोर है, उसे काम कुछ नहीं आता वहीं व्यक्ति विरोध करता है। सन् 2012–13 में पूरे छत्तीसगढ़ में जल प्लांट बंद हुई, कई प्लांटों में ताला लगा, कई प्लांटों के वर्करों को छटनी कर बाहर किया गया। उस वक्त भी हमारे नोवा प्लांट के मैनेजमेंट वर्करों के कंधे में कंधे मिलाकर उस गरीबों, उस मजदूरों के घर में चूल्हा जलाया, वे यह नहीं समझा कि इन लोगों को काम से बैठा दूं। तो मैं यही चाहता हूं कि कंपनी अपना और पावर प्लांट लगाये, और रोलिंग मिल, फर्नेस लगाये और यहां जितने भी बेरोजगार भाई हैं उन सभी को काम मिले।

102. **श्री सुकलूराम, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**

मैं नोवा कंपनी को समर्थन करता हूं।

103. **डॉ. शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्राथमिक स्वास्य केन्द्र, दगौरी :–**

मैं ये कहना चाहूंगा कि औद्योगिक विकास के लिए हामी भरिए विकास होगी, तभी सब कुछ होगा। हर चीज के दो पहलू होता है। अगर आप पानी की बरबादी सोचेगें तो आप तालाब में कपड़े धोना बंद कर दीजिए, गर्मी के दिन में कुलर में पानी डालना बंद कर दीजिए, तो उस समय आपको ठंडी की जरूरत होती है, तो कुलर में पानी डालते है, तालाब को गंदा करते हैं कपड़ा धोकर। तो हर चीज के दो पहलू होती है पहले हम बल्ब जलाते थे, फिर सी.एफ.एल. आया अब एल.ई.डी. आया हो सकता है आगे कुछ और चीजे आ जाये, जिनसे बिजल की बचत हो। पेट्रोल डीजल ये सारी चीजें हमारी औद्योगिक क्षेत्र की ही देन है, मोबाईल भी हमारे औद्योगिक क्षेत्र की ही देन है जिससे हम मिनटों में एक दूसरे से बात करेते हैं। तो हमें कुछ सुविधा चाहिए तो कुछ चीजों के लिए समझौता करनी पडेगी। इन चीजों के लिए अड़ना अच्छी नहीं होती। इसलिए मैं नोवा को अपना समर्थन देता हूं।

104. **श्री दशरथ सन्नाड्य, ग्राम– दगौरी :–**

मैं नोवा को अपना समर्थन देता हूं और साथ ही मैं लागों से अपील करना चाहता हूं कि कंपनी के विस्तार में अपना सहयोग और समर्थन दें। क्योंकि प्लांट तो चालू होगा ही और साथ ही इसका विस्तार होगा, तो जनता को रोजगार मिलेगा। इसलिए सबसे आग्रह है वे लोग भी इसका समर्थन करें।

105. **श्री एम. आर. चौहान, दगौरी :–**

आज की जो जनसुनवाई है नोवा आयरन स्टील कंपनी की फैक्ट्री को आगे बढ़ाने की है और दूसरी तरफ पर्यावरण सुरक्षा की बात है। तो जहां दिन है वहां अंधेरा भी है जहां लाभ है वहां हानि है दोनों ही पहलू होते हैं।

106. **श्री महेन्द्र सूर्यवंशी, ग्राम–दगौरी :–**

मैं ये कहना चाहता हूं कि इस कलयुग में मशीने चलेगी और कारखाना बनेगी। इस प्रकार मैं नोवा के विस्तार में अपना समर्थन करता हूं।

107. **श्री श्याम सुन्दर सन्नाड्य, ग्राम– दगौरी :–**

मैं नोवा के समर्थन में हूं। जो विस्तार हो रहा है उसका समर्थन करता हूं।

108. **श्री दिलीप गंगोत्री, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**

मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि इस प्लाट से ही मैं ट्रेनी के रूप क्वालिटी कंट्रोल से अपना कैरियर शुरू किया और आज उसी क्वालिटी कंट्रोल में एम.जी.एम. स्टील में एचओडी के पद पर पदस्थ हूं और इससे ज्यादा सौभाग्यशाली होने का और कैसा मौका रहेगा। तो निश्चित रूप से कोई प्लांट आने से हम पढ़े–लिखे को मौका मिलता है और हमे सुनहरे भविष्य की उपलब्धि होती है। मैं इसी प्लांट से अपना कैरियर शुरू कि और इसी प्लांट के विस्तार में मुझे आने का मौका मिला। मैं इस प्लांट के विस्तार में समर्थन करता हूं।

109. **श्री बंशीलाल रात्रे, ग्राम– केंवाची :–**

मैं ये कहना चाहता हूं साथियों से या सभी ग्राम वासियों से जो कहते हैं कि नोवा के आने से विकास हुआ, क्या विकास हुआ आज तक नोवा के आने से यह बतायें मुझे कितने लोगों को रोजगार मिला? हमारे जमीने तो छीन ली गयी और उसके बाद रोजगार के नाम पे क्या है 100 से 50 वर्कर फ्लोर मिल पे मजदूरी के लिए लगाया गया है और हमारे कौन से मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जाये नोवा की तरफ से बताइये। सड़क मार्ग में धूल उड़ रहा है, पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए कौन से नर्सरी का वृक्षारोपड़ कराया गया है और जो साथी लोग बोलते हैं कि नोवा के आने से विकास हुआ है और दगौरी के कुछ लोग बोल रहे थे कि खपरैल वाला घर लेंटर वाला मकान बन गया है। नोवा में काम करके लेंटर वाला घर बनाया है कि खेत, जमीन बेच कर मकान बनाया है। ये इतना बड़ा कंपनी है किसी गांव में

सेटेलाईट का व्यवस्था किया है, सही ढंग से रोड नाली का निर्माण हुआ है, हमारे मुलभुत सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है नोवा की तरफ से बताईए। आप अपनी जमीन व खेती को नोवा या किसी कंपनी को दे दोगे तो धान कहां से पैदा करोगे। आज सरकार 35 रू. में 35 किलो चावल दे रही है कल चावल देना बंद कर देगा तो क्या करोगे। रोजी रोटी के लिए पलायन करोगे दूसरी जगह काम काज मजदूरी के लिए बाहर जाओगे। क्या दिया नोवा ने।

110. **श्री मनीलाल निषाद, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**
मैं नोवा कंपनी के समर्थन में हूं।

111. **श्री अजय कुमार भारद्वाज :–**
जब प्लांट बंद था तो सभी बेरोजगार हो गये थे। दूर–दूर यूपी बिहार भट्टा जाते थे काम करने के लिए। आज प्लांट खुल गया है तो सभी लोगों को यहां रोजी मिल रहा है तो मैं चाहता हूं कि आगे प्लांट को चलाये उसको बढ़ायें। मैं प्लांट का समर्थन करता हूं।

112. **श्री समयलाल निर्मलकर, ग्राम–अमेरी अकबरी :–**
नोवा कंपनी के विस्तार के विषय में मैं चाहता हूं कि इसका विस्तार हो। हमारे आने वाले पीढ़ियों को सबको रोजगार मिले क्योंकि कंपनी का विस्तार होगा तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ेगी इससे नौकरी मिलेगी और गांव के आसपास के व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा। इसलिए यही चाहता हूं कि नोवा कंपनी का विस्तार हो। इसका मैं समर्थन करता हूं।

113. **श्री जुगलकिशोर टंडन, ग्राम–बिल्हा :–**
यहां विकास होना चाहिए। नोवा अपना विकास करेगा, हर गांव में पानी टंकी लगाये, लाईट की व्यवस्था करे ताकि हमारे दगौरी चगमगाये, इतना चगमगाए की पूरा भारत को दिखे और बहुत बड़ा पावर प्लांट बन जाये। मैं ये नहीं कहता की किसी का हक छिने सबका विकास हो, सबका अच्छा हो, सब किसान सब मजदूर के लिए रोजगार की व्यवस्था करे, तो नोवा कंपनी का समर्थन करता हूं।

114. **श्री नरोत्तम कुमार डहरिया, ग्राम–बरतोरी :–**
भाग्य के प्रतीक यहां नोवा कंपनी खुला है इसी में सभी बेरोजगार भाईयों को रोजगार मिलता है और मैं कपनी से आग्रह करता हूं कि सभी युवा बेरोजगारों का रोजगार दें। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि सिंचाई में विशेष ध्यान दें, ताकि गांव का शहर की तरह विकास हो सके।

115. **श्री उमेंद कुमार जांगड़े, ग्राम– उड़गन :–**
नोवा का मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं।

116. **श्री रामेश्वर प्रसाद निषाद, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**
नोवा आयरन का समर्थन करता हूं।

117. **श्री देव कुमार पात्रे, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**
नोवा प्लांट का समर्थन करता हूं।

118. **श्री हरिशंकर निर्मलकर, ग्राम– अमेरी अकबरी :–**
नोवा कंपनी का समर्थन करता हूं।

अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर द्वारा जन सामान्य को अवगत कराया गया कि लोक सुनवाई के पूर्व निर्धारित अवधि में क्षेत्रीय कार्यालय छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल को **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं सतीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र की स्थापना** के संबंध में **124** लिखित आवेदन एवं लोक सुनवाई दिनांक 26/02/2016 के दौरान **151** लिखित में आपत्ति/सुझाव/विचार प्राप्त हुये हैं। इस प्रकार कुल **275** लिखित में आपत्ति/ सुझाव/विचार प्राप्त हुए एवं लोक सुनवाई के दौरान लगभग **425** जनसामान्य की उपस्थिति रही, जिसमें से **118** व्यक्तियों द्वारा **मेसर्स नोवा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, ग्राम–दगोरी, अमेरी–अकबरी एवं**

सरीघाट, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट क्षमता–1.5 एमटीपीए क्रूड स्टील एवं केप्टिव पॉवर प्लांट–260 मेगावाट संयत्र की स्थापना के संबंध में अपना सुझाव/विचार एवं आपत्तियां मौखिक रूप से व्यक्त की गई। सम्पूर्ण लोक सुनवाई कार्यक्रम की विडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई है। जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय में से **178** लोगों द्वारा अपनी उपस्थिति, लोक सुनवाई उपस्थिति पत्रक में दर्ज कराई गई है। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा जनसमुदाय को अवगत कराया गया है कि **क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित संयंत्र** की लोकसुनवाई की सूचना का प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्र बिलासपुर एवं एक राष्ट्रीय समाचार पत्र नई दिल्ली में दिनांक 23/01/2016 को कराया गया है। उद्योग के कार्यपालिक सार एवं पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्रतिवेदन की प्रतियां संबंधित विभागों/ग्राम पंचायतों/नगर पंचायतों को उपलब्ध कराई गई है। उद्योग के समर्थन में स्थानीय ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों द्वारा लिखित में अभिस्वीकृति पत्रक कार्यालय को प्रस्तुत किये गये हैं। लोक सुनवाई कार्यक्रम के समापन पर अपर कलेक्टर/अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय को लोक सुनवाई में उपस्थित होने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए लोक सुनवाई की कार्यवाही के समापन की घोषणा की गई।

बी. एस. ठाकुर
क्षेत्रीय अधिकारी
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
बिलासपुर (छ.ग.)

21/3/16
क्यू ए खान,
अपर कलेक्टर/
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला बिलासपुर (छ.ग.)